an>

Title: Setting up of Enquiry Committee due to Incrreasing Corruption in the Country

श्री रमेश बिधूड़ी : सभापति महोदय, मैं अपने देश की अस्मिता के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों के मामले में कुछ कहना चाहता हूं ।

सर, हमारे देश में वर्ष 2014 से पहले का इतिहास उठाएं तो लोगों को पॉलिटिकल लोगों के कारण भ्रष्टाचार के नाम से नफरत हो गई थी । टी.वी. घोटाला, जूता घोटाला, स्पेक्ट्रम घोटाला, आदर्श सोसायटी घोटाला, कोयला घोटाला, इन सबके कारण परेशान होकर देश के लोगों ने, विशेष रूप से, देश की राजधानी दिल्ली के लोगों ने, एक चूक कर दी और एक विशेष प्राणी को लाकर दिल्ली में बिठा दिया ।

सर, मैं आज नाम नहीं ले रहा, इसलिए अब कोई बोल नहीं सकता । वे विशेष प्राणी जी बोलते हैं कि जो भ्रष्टाचारी है, वह देशद्रोही है । ये शब्द उन्होंने यूज किए हैं । उस विशेष प्राणी जी के नेतृत्व में ही पंजाब के अन्दर अभी चार-पाँच महीने की सरकार में ही उनका मंत्री भ्रष्टाचार में पकड़ा गया, तो बड़े-बड़े कसीदे पढ़े कि हम इसको छिपा सकते थे, दबा सकते थे । ऐसे कसीदे पढ़े गए, लेकिन उन्हीं के एक मंत्री अब जेल में हैं । यह आरोप लगाया गया कि सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग करके यह काम किया जा रहा है ।

सभापति महोदय, कोर्ट के अन्दर मामला है । उन्होंने बड़े से बड़े वकील खड़े किए होंगे । अदालतों ने भी यह पाया । अदालत ने उसे जेल में डाल रखा है । वह व्यक्ति आज भी उस पद के ऊपर विराजमान है । उसके बाद वह जो विशेष प्राणी है, जो यह कहते हैं कि जो भ्रष्टाचारी है, वह देशद्रोही है, उन विशेष प्राणी जी के सगे साढ़ू को पी.डब्ल्यू.डी. घोटाले में आत्महत्या करनी पड़ी । उनके साढ़ू के लड़के को जेल जाना पड़ा । वह जेल में रहा, लेकिन वह विशेष प्राणी कहता है कि भ्रष्टाचारी, देशद्रोही है ।

सर, अब मैं आना चाहता हूं कि दिल्ली के अन्दर वर्ष 2021 में उसी सरकार के माध्यम से एक आबकारी नीति बनाई गई । दिल्ली सरकार की जो आबकारी नीति बनी, उसमें नियमों की धज्जियां उड़ा कर, नियमों को दरकिनार करते हुए करोड़ों रुपये का जो भ्रष्टाचार हुआ है, उस भ्रष्टाचार को करने वाला राज्य का उप मुख्य मंत्री है । उस भ्रष्टाचार में दिल्ली का मुख्य मंत्री शामिल था । उनकी उपस्थिति में निर्णय हुआ । जब बाद में पता लगा कि नियमों के अनुसार हम निर्णय करने जा रहे हैं तो यह कहा कि आप ग्रुप-ऑफ-मिनिस्टर्स के नाम से एक मीटिंग बुलाइए । दूसरी मीटिंग में कहा कि ग्रुप-ऑफ-मिनिस्टर्स की मीटिंग बुलाइए और आप उसमें निर्णय कर दीजिए ।

सभापति जी, जो पहली पॉलिसी, 2021 बनाई गई थी, उसमें यह कहा गया था कि जो ब्लैकलिस्टेड ठेकेदार हैं, उनको हम किसी भी प्रकार से लाइसेंस नहीं देंगे । दूसरा, यह कहा गया कि जो कार्टेल ठेकेदार हैं, जो एक ज़ोन से दूसरी ज़ोन में आपस में मिलकर करेंगे, हम उन्हें मौका नहीं देंगे । … (व्यवधान)

सभापति जी, अब ये बताएंगे कि कैसे हाउस चलेगा! अब ये आपको शिक्षा देंगी ।… (व्यवधान) तीसरा, उनका जो अधिकार था, उस अधिकार में, जो विदेशी शराब है, उसमें 50 रुपये की छूट दे दी गई ।… (व्यवधान)

*m02 **माननीय सभापति :** आप अपनी मांग रखिए कि आप क्या चाहते हैं?

… (व्यवधान)

*m03 **श्री रमेश बिधूड़ी :** सर, मैं पहले चीजें तो बता दूं, देश को जानकारी तो हो । यह वे लोग बोल रहे हैं, जो भ्रष्टाचार में जेल में रहकर आए हैं । ये तो बोलेंगे ही । इनकी तो फितरत ही यह है ।… (व्यवधान)

माननीय सभापति : माननीय सदस्य, आप अपना विषय रखिए ।

… (व्यवधान)

श्री रमेश बिधूड़ी : सभापति जी, उन्होंने कहा कि इस प्रकार की जो कंपनी है, भ्रष्टाचार की संलिप्तता में, ग्रुप ऑफ मिनिस्टर के माध्यम से, ब्लैक लिस्टेड

कंपनी, कार्टेल कंपनी और उन कंपनियों के अलावा, जो ठेके दिए गए, वहाँ जो तीसरी उत्पादक कंपनी होगी, वह मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी है, उस कंपनी को भी रिटेल का लाइसेंस नहीं देंगे । यह उन्हीं की बनायी हुई पॉलिसी थी, लेकिन उन्होंने कार्टेल कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट दिया । उस भ्रष्टाचारी कंपनी, ब्लैक लिस्टेड कंपनी का 140 करोड़ रुपये माफ कर दिया ।... (व्यवधान) एक कंपनी, जिसे एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया से एनओसी नहीं मिली । उसे एनओसी नहीं मिलने के कारण, उस कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट दे दिया । ... (व्यवधान)

अधीर रंजन जी, आपके नेता भी जेल गए थे । आपको क्या परेशानी है? आप 30 सेकेंड के लिए रुक जाइए । आपने भी देश को लूटा ।... (व्यवधान)

सर, 30 सेकेंड में अपनी बात खत्म कर रहा हूँ । उन लोगों ने 140 करोड़ रुपये माफ किए । एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने एनओसी नहीं दी, लेकिन उसको कॉन्ट्रैक्ट दे दिया । जब वह नहीं चला पाया तो उसके 30,030 करोड़ रुपये कंपनी को वापस कर दिए ।... (व्यवधान)

सर, मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि ऐसे जो भ्रष्टाचारी लोग हैं, उनके खिलाफ एजेंसी जांच करे । ऐसे लोगों पर दबाव बनाए, जिनको करोड़ों-अरबों रुपये धर्म में मिल रहे हैं ।... (व्यवधान)